**उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति, कबीलाई प्रथाएँ, गोत्र की स्थापना तथा सामाजिक स्थिति में आश्रम व्यवस्था**

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

**उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति**

उत्तर वैदिक कालीन समाज में महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई. सभा एवं समीति में उनका महत्व कम हो गया. कम उम्र में विवाह प्रारम्भ हो गया.

इस काल के ग्रन्थ में महिलाओं की निंदा की जाने लगी. ऐतरेय ब्राह्मण पुत्री को दुःख का कारण कहता है. महिलाओं को उपनयन से वंचित कर दिया गया

**कबीलाई प्रथाएँ:**

बहुविवाह तथा नियोग की प्रथा इस काल में भी जारी रही.

**गोत्र की स्थापना:**

इस काल में गोत्र की स्थापना हुई. अथर्ववेद में पहली बार इसकी चर्चा मिलती है.

**उत्तर वैदिक काल की सामाजिक स्थिति में आश्रम व्यवस्था**:

हिन्दू जीवन को चार भागों में बांटते हुए इस काल में आश्रम व्यवस्था की स्थापना हुई. हालाँकि महिलाओं एवं निचले वर्गों के लोगों के लिए आश्रम व्यवस्था का पालन करना आवश्यक नहीं था.